सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 139 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 24 जून, 2024

मूल्य ₹ 3/-

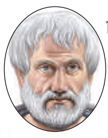

एक अच्छा निर्णय ज्ञान पर आधारित होता है, नंबरों पर नहीं।

-प्लेटो

विंडीज विश्वकप से बाहर, अफ्रीका... 7 | छात्रों के भविष्य खराब करने के... 3 | पूरे देश में चलाएं बसपा से जोड़ने... 2

विपक्षी तेवर व हंगामे के बीच शुरू हुआ 18वीं लोकसभा का पहला सत्र

विवादों के बीच प्रोटेम स्पीकर ने दिलाई सांसदों को शपथ

- विपक्षी खेमें में दिखी नई रंगत, राहुल व अखिलेश रहे एक साथ
- पीएम ने मांगा विपक्ष से सहयोग, कांग्रेस ने कहा- सवालों के देने पड़ेंगे जवाब
- सत्र से पहले जयराम व रिजिजू में तीखी बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा का पहला सत्र शुरू हो गया है। सबसे पहले सदन में राष्ट्रगान का गायन हुआ। इसके बाद पिछले सदन के दिवंगत सदस्यों को नए सदन के सदस्यों ने श्रद्धांजलि दी। विपक्ष के हंगामें के बीच प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब ने सदस्यों को शपथ दिलाई। इस लोकसभा में विपक्ष मजबूत होकर उभरा है। संसद सत्र के पहले ही दिन उनकी ताकत दिखाई दी। विपक्षी खेमें में राहुल गांधी व अखिलेश यादव एक साथ दिखे। संसद के बाहर भी विपक्ष ने ताकत दिखाई। सभी विपक्षी दलों ने संविधान के साथ प्रदर्शन किया। चुनाव में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए ने 293 सीटें जीती हैं। इनमें से 240 सीटें अकेले बीजेपी के पास हैं।

वहीं विपक्षी इंडिया गंठबंधन ने 234 सीटें जीती हैं। विपक्ष में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है, उसके पास 99 सीटें हैं। 18वीं लोकसभा के स्पीकर का चुनाव 26 जून को कराया जाएगा। इसके बाद प्रधानमंत्री अपने मंत्रिमंडल का सदन से परिचय कराएंगे। राष्ट्रपति 27 जून को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे। वहीं 28 जून को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया जाएगा और उस पर बहस शुरू होगी। पीएम मोदी दो-तीन जुलाई को बहस का जवाब दे सकते हैं। सदन को 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। लोकसभा सत्र से पहले किरेन रिजिजू और जयराम रमेश के बीच छिड़ी तीखी बहस हुई। किरेन रिजिजू की पोस्ट पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने तीखी प्रतिक्रि या दी। उन्होंने मंत्री की पोस्ट के जवाब में कहा, श्रीमान मंत्री जी, कथनी से ज़्यादा करनी बोलती है, जो कहना है उसे करके दिखाओ। संसदीय कार्य मंत्री और वरिष्ठ बीजेपी नेता किरेन रिजिजू ने आज सुबह 18वीं लोकसभा के सदस्यों के लिए एक्स पर एक वैलकम मैसेज लिखा था। संसदीय कार्य मंत्री के तौर पर मैं सदस्यों की सहायता के लिए हमेशा उपलब्ध रहूंगा। मैं सदन चलाने के लिए समन्वय की सकारात्मक उम्मीद कर रहा हूं।

देश चलाने के लिए सबकी सहमति जरूरी : मोदी

सत्र शुरू होने से पहले संसद पहुंचे मोदी ने कहा- देश चलाने के लिए सबकी सहमति जरूरी है। हम सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं। संविधान की मर्यादाओं का पालन करते हुए देश को आगे बढ़ाना चाहते हैं। देश को एक जिम्मदार विपक्ष की जरूरत है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विश्व का सबसे बड़ा चुनाव बहुत ही शानदार तरीके से, बहुत ही गौरवमय तरीके से संपन्न होना, ये हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। करीब 65 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने मतदान में हिस्सा लिया। ये चुनाव इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण हो गया, क्योंकि आजादी के बाद दूसरी बार देश की जनता ने किसी सरकार को लगातार तीसरी बार सेवा करने का अवसर दिया है। आजादी के बाद पहली बार हमारे अपने नए संसद में यह शपथ हो रहा है, अब तक ये प्रक्रिया पुराने संसद में होती थी। आज के इस महत्वपूर्ण दिन पर मैं सभी नव निर्वाचित सांसदों का स्वागत करता हूं सबका अभिनंदन करता हूं और सबको शुभकामनाएं देता हूं। प्रधानमंत्री ने आपातकाल को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कल 25 जून है। 25 जून को भारत के लोकतंत्र पर लगे उस कलंक के 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं।

विपक्षी खेमें दिखा नया रंग : फैजाबाद के सांसद ने सोनिया गांधी से भी की बात

उत्तर प्रदेश स्थित फैजाबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से सांसद चुने गए समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद संसद में सबकी पसंद बन गए। 18वीं लोकसभा के पहले दिन सभी उनके साथ दिखे। चाहे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे हों या कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, सभी ने उनसे मुलाकात की। इतना ही नहीं लोकसभा में अवधेश प्रसाद, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के साथ बैठे नजर आए. जब समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव संसद पहुंचे तो वह अवधेश प्रसाद का हाथ थामे नजर आए और उनके साथ संसद की सीढ़ियों तक गए। एक वीडियो में यह सब देखा जा सकता है।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान शपथ लेने पहुंचे तो विपक्ष बोला- नीट-नीट शेम-शेम

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का नाम जब शपथ के लिए बुलाया गया तो विपक्ष ने नीट-नीट, शेम-शेम बोलना शुरू कर दिया। विपक्ष नीट पेपर धांधली में उनके इस्तीफे की भी मांग कर चुका है।

पीएम मोदी के संबोधन में कोई नई बात नहीं विपक्ष हर मिनट का हिसाब मांगेगा : जयराम

कांग्रेस ने लोकसभा सत्र से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन पर सवाल उठाया। पार्टी ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास देने के लिए कुछ भी नया नहीं है। हमेशा की तरह 18वीं लोकसभा की शुरुआत से पहले भी उन्होंने बात को भटकाने का सहारा लिया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस बात का कोई सबूत नहीं दिया है कि वे लोगों के फैसले का सही मतलब समझते हैं। गैर-जैविक प्रधानमंत्री को लोकसभा चुनाव में व्यक्तिगत, राजनीतिक और नैतिक रूप से करारी हार का सामना करना पड़ा है।

इस बार सरकार बैकफुट पर : राहुल

राहुल गांधी ने कहा कि 10 कारण है, जिसके चलते नरेंद्र मोदी की सरकार बैकफुट पर है। जिसमें भीषण ट्रेन दुर्घटना, कश्मीर में आतंकवादी हमले, ट्रेनों में यात्रियों की दुर्दशा, नीट घोटाला, नीट-पीजी निरस्त, यूजीसी-नीट का पेपर लीक, दूध, दाल, गैस, टोल और महंगे, आग से धधकते जंगल, जल संकट और हीट वेव में इंतजाम न होने से मौतें शामिल है। राहुल गांधी ने आज एनडीएए सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि एनडीए सरकार के पहले 15 दिनों में कई कमियां देखने को मिली है और यही कारण है कि पीएम मोदी बैकफुट पर हैं और बस अपनी सरकार बचाने में व्यस्त हैं। आपातकाल पर प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणी पर कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने एतराज जताया है। उन्होंने कहा कि भारत में हर दिन लोकतंत्र को खतरा है। पिछले 10 सालों से मोदी की हर गतिविधि लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ रही है। यहां तक कि संसद में गांधी जी और बाबा साहब अंबेडकर की मूर्तियों को भी हटाकर कहीं और रख दिया गया है।

भर्तृहरि को राष्ट्रपति ने दिलाई प्रोटेम स्पीकर की शपथ

ओडिशा से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद भर्तृहरि महताब ने आज सुबह 18वीं लोकसभा के प्रोटेम स्पीकर के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें राष्ट्रपति भवन में शपथ दिलाई। बता दें, प्रोटेम स्पीकर एक अस्थायी पद है। प्रोटेम स्पीकर की प्राथमिक भूमिका नए सदस्यों को शपथ दिलाना है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 95(1) के तहत भाजपा सांसद को प्रोटेम स्पीकर बनाया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने बताया कि प्रोटेम स्पीकर की सहायता के लिए सुरेश कोडिकुन्नील, थलिककोट्टई राजुथेवर बालू, राधामोहन सिंह, फग्गन सिंह कुलस्ते और सुदीप बंदोपाध्याय को भी नियुक्त किया है। उन्होंने आग बताया कि भर्तृहरि महताब लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होने तक पीठासीन अधिकारी के रूप में कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे।

नीट व लोस अध्यक्ष चुनाव को लेकर हंगामेदार रहेगा सत्र

इस आम चुनाव में अपने अच्छे प्रदर्शन से उत्साहित विपक्ष ने सत्तारूढ़ पार्टी को प्रमुख मुद्दों पर घेरने की तैयारी कर ली है। इनमें सबसे बड़ा मुद्दा नीट (यूजी और पीजी) और यूजीसी-नेट जैसी अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षाओं के संचालन में कुप्रबंधन है। एक और मुद्दा जो प्रोटेम स्पीकर के चुनाव में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव का कारण बना है। बीजेपी ने अस्थायी पद के लिए अपने सात बार के सांसद भर्तृहरि महताब को चुना है, वहीं कांग्रेस ने सवाल उठाया है कि उसके आठ बार के सांसद के सुरेश को क्यों नहीं चुना गया। इस पर रिजिजू ने स्पष्ट किया है कि सदन में सुरेश का कार्यकाल निर्बाध नहीं है, लेकिन कांग्रेस झुकने को तैयार नहीं है और उसने घोषणा की है कि विपक्षी दल के सदस्य नए सांसदों को शपथ दिलाने में प्रोटेम स्पीकर की सहायता नहीं करेंगे।

अगड़ों को और तवज्जो देगी सपा

पार्टी का संदेश : अंग्रेजी से परहेज नहीं, बुलेटिन में युवा सांसदों पर भी फोकस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव परिणाम से उत्साहित सपा अब अपने रणनीति में परिवर्तन करने जा रही है। सपा के नीति निर्धारकों ने कहा है कि पार्टी अब अगड़ों व अंग्रेजी को तवज्जो देगी। दरअसल, समाजवादी बुलेटिन में पहली बार अंग्रेजी में लेख को स्थान दिया है। वहीं, यह भी बताया है कि सपा ने पीडीए के साथ-साथ अगड़ों को भी प्रतिनिधित्व देने का पूरा ख्याल रखा। अंग्रेजी में यंग माइंड्स ऑन द राइज यानी उभरते युवा सितारों का जिक्र करते हुए युवा सांसद इकरा हसन, प्रिया सरोज और पुष्पेंद्र सरोज पर फोकस किया गया है। सपा संसद के अंदर और बाहर अंग्रेजी के प्रभुत्व का विरोध करती रही है।

सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव संसद के अंदर भी अंग्रेजी के खिलाफ बोला करते थे। अमीर और भी अमीर बनता जा रहा है। देश के 10 फीसदी समृद्ध (सामान्य वर्ग के लोग) 60 फीसदी राष्ट्रीय संपत्ति पर काबिज हैं। जून-2024 के समाजवादी बुलेटिन में कहा गया है कि बलिया से सनातन पांडेय, धौरहरा से आनंद भदौरिया, घोसी से राजीव राय और मुजफ्फरनगर से हरेंद्र मलिक का नाम भी यह बताने के लिए काफी है कि पिछड़ों को ज्यादा नुमाइंदगी देते हुए भी अखिलेश यादव ने अगड़ों का साथ नहीं छोड़ा। ये सभी चुनाव जीते। अखिलेश को इंडिया गठबंधन की जीत का श्रेय देते हुए कहा गया है कि सहयोगी कांग्रेस के हिस्से में आई 17 सीटों पर भी उन्होंने पूरा ध्यान दिया।

भाजपा सरकार ने नौजवानों का भविष्य किया बर्बाद

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने नौजवानों का भविष्य बर्बाद कर दिया है। शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को पूरी तरह से चौपट कर नकल माफिया के हवाले कर दिया है। यह सरकार एक भी परीक्षा पारदर्शिता से करने की क्षमता नहीं रखती है। पूरी सरकार भ्रष्टाचारियों की गिरफ्त में है। भाजपा ने 10 साल के शासनकाल में पूरे सिस्टम को खोखला कर दिया है। अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि भाजपा की सरकार पूरी तरह से झूठ और लूट पर चल रही है। महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। कानून -व्यवस्था ध्वस्त है। पूरे प्रदेश में सूदखोरों का आतंक है। बलिया, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर के बाद शाहजहांपुर के तिलहर में भी कर्जदारों ने आत्महत्या कर ली है। बरेली में जमीन पर कब्जे को लेकर दिनदहाड़े गोलियां बरसाई गईं। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी में कथित अनियमितताओं के बाद एनटीए की नौकरशाही में फेरबदल को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा है कि अब नीट-पीजी भी स्थगित। यह मोदी के राज में बर्बाद हो चुकी शिक्षा व्यवस्था का एक और दुर्भाग्यपूर्ण उदाहरण है।प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि मोदी सरकार ने पूरी शिक्षा प्रणाली को माफिया के हवाले कर दिया है।

अखिलेश यादव का संदेश अंग्रेजी में छपा

हिंदी जानने वाले जो सांसद अंग्रेजी में बोलते थे, उनसे इस आधार पर अपनी नाइत्तफाकी भी जाहिर कर देते थे। लेकिन, इस बार सपा ने अपने मासिक समाजवादी बुलेटिन में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का संदेश अंग्रेजी में दिया है। इसमें उच्च शिक्षित युवा सांसदों इकरा हसन, प्रिया सरोज और पुष्पेंद्र सरोज के चयन के पीछे की वजह भी दी गई है। सपा के एक नेता नाम न छापने के आग्रह के साथ कहते हैं कि यह अखिलेश के नेतृत्व में नए जमाने के अनुरूप आगे बढ़ती सपा के निर्णय हैं। सपा गैर हिंदी भाषी दक्षिण के प्रदेशों में भी विस्तार की रणनीति के साथ आगे बढ़ना चाहती है और इसके लिए हिंदी के मुकाबले अंग्रेजी ज्यादा मुफीद साबित होगी। बुलेटिन में अंग्रेजी के आलेख इसी बात के संकेत हैं। इसके अलावा जो लोग अंग्रेजी में ज्यादा सहज हैं, उनके बीच बुलेटिन आसानी से जगह बना सकेगा। 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान आए समाजवादी घोषणापत्र में कहा गया था-आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि भारत शायद विश्व का सबसे बड़ा गैरबराबरी वाला देश है।

पूरे देश में चलाएं बसपा से जोड़ने का अभियान : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» पार्टी को मजबूत करने के लिए जनाधार वापस पाने का किया एलान

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने लोकसभा चुनाव की समीक्षा बैठक में शामिल पदाधिकारियों को देश भर में गहन सदस्यता अभियान चलाने के निर्देश दिया। बसपा ने सदस्यता शुल्क को 200 रुपये से घटाकर 50 रुपये कर दिया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी से जोड़ा जा सके। बैठक समाप्त होने के बाद पदाधिकारियों को सदस्यता अभियान की बुकलेट देकर वापस भेजा गया। इससे पहले मायावती ने पदाधिकारियों से कहा कि जिन राज्यों में जल्द विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, वहां लोकसभा चुनाव की गलतियों को दोहराना नहीं है। पार्टी को हर स्तर पर मजबूत बनाना है।

देश के वर्तमान राजनीतिक हालात को देखते हुए पार्टी के लोगों को सचेत व हमेशा तैयार रहना है। उन्होंने कहा कि चुनाव में किसी ना किसी मुद्दे को लेकर विशेषकर गरीब व कमजोर वर्गों के लोग गुमराह होकर अपनी एक मात्र हितैषी पार्टी बसपा को नुकसान पहुंचा कर शोषण करने वाली पार्टी को सत्ता में आसीन करा देते हैं, जो उचित नहीं है। इस पर लोगों को विचार करना चाहिए और बार-बार गुमराह नहीं होना चाहिए। हर परिस्थिति का मुकाबला करके अपने हित में बसपा को मजबूत बनाकर अपने खुद के पैरों पर खड़े होना होगा। मायावती ने कहा कि इस बार विरोधी पार्टियों द्वारा चुनाव में संविधान बचाओ जैसे अनेकों मुद्दों को लेकर किए गए गलत प्रचार से गुमराह होने की वजह से बसपा का जबरदस्त नुकसान हुआ है। आगे चुनाव में फिर ऐसा नुकसान न हो। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि जिस पार्टी ने संविधान सभा में डॉ. भीमराव अंबेडकर को आने से रोकने के लिए तमाम हथकंडे अपनाए थे, वह अब संविधान बचाने की बात कैसे कर सकती है। कांग्रेस ने तो बाबा साहब को भारत रत्न की उपाधि देकर सम्मानित भी नहीं किया था।

जिलों में जाएंगे आकाश, बंद कमरे में करेंगे बैठकें

वैसे तो नेशनल कोआर्डिनेटर बनाए जाने के बाद आकाश आनंद को देशभर में बसपा को मजबूत करना है लेकिन उनका सर्वाधिक फोकस अब उत्तर प्रदेश पर ही रहेगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार जल्द ही आकाश राज्य के जिलों में जाएंगे। हर एक जिले में वह पार्टी के पदाधिकारियों के साथ बंद कमरे में बैठक करेंगे। विधानसभा चुनाव के बाद लोकसभा चुनाव में भी पार्टी के खराब प्रदर्शन के बारे में उनसे खुलकर बात करेंगे। अगले विधानसभा चुनाव में बेहतर नतीजों के लिए अभी से उठाए जाने वाले कदमों के बारे में बताएंगे। आकाश की पहली कोशिश विधानसभा की रिक्त सीटों के हाल-फिलहाल में होने वाले उपचुनाव के लिए प्रत्याशियों के चयन से लेकर मजबूती से लड़ने की है ताकि पहले से बेहतर नतीजे आएं और उसका बड़ा संदेश जाए।

निष्क्रिय पदाधिकारियों पर होगी बड़ी कार्रवाई

लोकसभा चुनाव में करारी हार को देखते हुए बसपा प्रमुख मायावती ने बूथ से लेकर जिला स्तर तक की कमेटी की नए सिरे से समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। उन पदाधिकारियों को संगठन से बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा, जिनकी भूमिका चुनाव में ठीक नहीं थी और वे निष्क्रिय बने रहे। हर स्तर की कमेटी में सभी समाज के 50 प्रतिशत युवाओं को मौका दिया जाएगा। बसपा प्रमुख ने प्रदेश के 18 मंडलों को छह सेक्टर में बांटते हुए सभी का जिम्मा वरिष्ठ पदाधिकारियों को सौंपा है।सूत्रों के अनुसार, रविवार को बैठक में मायावती ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि बूथ, सेक्टर, विधानसभा और जिला स्तर की कमेटी की नए सिरे से समीक्षा की जाए।

पीएम के दौरे के बाद चढ़ा जम्मू-कश्मीर का सियासी पारा

» पीडीपी ने कसी कमर कांग्रेस की भी तैयारी दिल्ली दरबार पहुंच रहे भाजपाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय दौरे के बाद अब प्रदेश में राजनीतिक हलचल बढ़ने लगी है। राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के बाद क्षेत्रीय दल भी एक्शन मोड में आए रहे हैं। चुनाव आयोग ने भी मतदाता सूचियों को 20 अगस्त तक अपडेट करने का निर्देश जारी कर दिया है। आयोग ने पहले ही संकेत दिया है कि वह प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारी कर रहा है।

वहीं, कांग्रेस ने 27 जून को विधानसभा चुनाव को लेकर बैठक बुलाई है। भाजपा में भी बैठकों का दौर जारी है। नेताओं और कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाने के लिए कहा गया है।

हालांकि, पीएम मोदी के दौरे से पहले ही प्रदेश में चुनाव प्रभारी की घोषणा कर दी गई थी। इसकी जिम्मेदारी केंद्रीय मंत्री जी कृष्ण रेड्डी को सौंपी गई है। हालांकि अभी उनका प्रदेश में दौरा हो नहीं पाया है। ऐसे में खबर मिल रही हैं कि भाजपा के प्रदेश नेता उनके दिल्ली दरबार में पहुंचना शुरू हो गए हैं। हाल ही में जम्मू के पूर्व मेयर राजिंद्र शर्मा ने दिल्ली में जी कृष्ण रेड्डी से मुलाकात की है।

लोकसभा चुनाव के बाद पीडीपी की जम्मू में पहली बैठक

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने कश्मीर घाटी की तीन सीटों पर चुनाव लड़ा। जम्मू की सीटों पर बिना किसी शर्त के कांग्रेस को समर्थन दिया। लेकिन पीडीपी को कश्मीर में तीनों सीटों पर हार का सामना करना पड़ा। शनिवार को जम्मू के गांधीनगर में पीडीपी चुनाव के बाद पहली सार्वजनिक बैठक की। इसमें विधानसभा चुनावों को लेकर अपनाई जाने वाली रणनीति पर मंथन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उपाध्यक्ष अब्दुल हमीद चौधरी ने की। इसमें पार्टी कार्यकर्ताओं को जम्मू संभाग में जमीनी स्तर पर पार्टी की गतिविधियों को बढ़ाने के साथ कैडर को और मजबूत करने के निर्देश जारी किए गए। लोगों के बीच जाकर संवाद बढ़ाने व पार्टी की विचारधारा से जोड़ने के लिए कहा गया। बैठक में जम्मू ग्रामीण, शहरी व सांबा जिले के कार्यकर्ता मुख्य रूप से मौजूद रहे।

चुनाव से पहले जम्मू-कश्मीर को दोबारा मिले राज्य का दर्जा : पीडीपी

मिशन स्टेटहुड की ओर से विधानसभा चुनाव से पहले जम्मू-कश्मीर को दोबारा राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर जानीपुर में प्रदर्शन किया गया। अध्यक्ष सुनील डिंपल ने कहा कि राज्य का दर्जा छिनने से लोगों के अधिकारों का हनन हुआ है। चुनाव आयोग से बिना देरी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करने की मांग की गई। चेतावनी दी कि वे विधानसभा चुनाव से पहले जम्मू-कश्मीर राज्य की बहाली के लिए आंदोलन शुरू करेंगे।

तमिलनाडु में 56 लोगों की मौत पर मौन हैं राहुल व खरगे : निर्मला

» भाजपा का कांग्रेस पर वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु में जहरीली शराब पीने से 56 लोगों की मौत के बाद देशभर में हलचल मच गई। राज्य में जहरीली शराब पीने से अब तक 56 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि, सैकड़ों लोग अभी भी अस्पतालों में भर्ती हैं।

इस मामले में केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण का कहना है कि अभी भी अस्पताल में भर्ती 200 से अधिक लोगों की हालत बेहद गंभीर है। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस मामले में कांग्रेस पर कटाक्ष किया है। उन्होंने बताया कि मृतकों में अधिकतर अनुसूचित जाति से हैं। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर भी हैरानी जताई कि कांग्रेस ने इस मुद्दे पर एक शब्द भी नहीं कहा। उन्होंने कहा कि राज्य में जहरीली शराब पीने से अनुसूचित जाति के कई लोगों की मौत हो गई और राहुल गांधी ने मौन साधा हुआ है। निर्मला सीतारमण ने इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने की मांग की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा 'जिस राज्य में शराब की बिक्री के लिए दुकानों को सरकार द्वारा लाइसेंस दिए जाते हैं, उसी राज्य के कल्लकुर्ची शहर में जहरीली शराब तैयार की जाती है। आखिर कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी कहां हैं?'

छात्रों के भविष्य खराब करने के पीछे कौन, जिम्मेदार क्यों मौन

प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक पर सियासी उबाल

- विपक्ष ने एनडीए सरकार पर किया हमला
- एनटीए व शिक्षामंत्रालय की कार्यप्रणाली पर सवाल
- कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन सरकार को घेरने को तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आजकल हर दूसरी खबर पेपर लीक से जुड़ी सुनने को मिल रही है। मप्र, राजस्थान, यूपी, बिहार से लेकर लगभग हर राज्य में प्रतियोगी परीक्षाओं का लीक होना आम बात हो गई है। पर यह कोई हेडलाइन पढ़कर छोड़ देने वाली मामूली बात नहीं है। यह दुनिया के सबसे युवा देश के भविष्य व युवाओं के सपनों से जुड़ा मामला है। यहां दो चीजें गौर करने वाली है कि इन धांधलियों के पीछे कौन है और सत्ता में बठे शीर्ष जिम्मेदार मौन क्यों हैं। नीट मामले को सुर्खियों में रहते लगभग 15 दिन से ज्यादा हो गए हैं।

वहीं यूजीसी-नेट की परीक्षा रद करने के फैसले के भी लगभग 3 दिन हो गए हैं। कोर्ट से लेकर सियासी दल तक इस मुद्दे को लेकर एनडीए की मोदी सरकार को घेर रहे हैं। यह कोई छोटी-मोटी बात नहीं इससे लाखों युवाओं को भविष्य जुड़ा है जो भारत को विश्व फलक पर पहुंचाने का माद्दा रखते हैं। ऐसे गंभीर मुद्दे पर देश के प्रधानमंत्री का इस तरह से मौन रहना कई सवाल खड़े करता है। वो भी ऐसे व्यक्ति का इस तरह से शांत रहना और अचंभित करता है जो समय-समय पर परीक्षा पर चर्चा जैसे कार्यक्रम में अपने विचार परीक्षार्थियों से साझा करते हैं। दरअसल, मोदी सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति तो ले आई लेकिन आप शिक्षा मंत्रालय के तमाम फैसलों को देखेंगे तो ऐसा प्रतीत होगा कि इस सरकार की कोई शिक्षा नीति है नहीं बस मंत्री और अधिकारी प्रयोग पर प्रयोग किये जा रहे हैं जिसका खामियाजा छात्रों को भुगतना पड़ रहा है।

एंटी पेपर लीक कानून भी लागू

केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए एक कानून को अधिसूचित कर दिया है। ये कानून पेपर लीक और धोखाधड़ी को रोकने के लिए फरवरी में पारित किया गया था। इस कानून का नाम लोक परीक्षा कानून-2024 है। इस कानून के लागू होने के बाद सार्वजनिक परीक्षा में धांधली करने पर 10 साल की जेल और एक करोड़ जुर्माने का प्रावधान है। लोक परीक्षा कानून 2024 को संसद में पेश और पारित किया गया है। इस कानून का उद्देश्य लोक परीक्षा प्रणाली में अनुचित साधनों की रोकथाम करना है। इस विधेयक को 7 फरवरी 2024 को लोकसभा में प्रस्तुत किया गया था और इसके बाद यह विधेयक पारित कर दिया गया था । इस कानून के तहत, अगर कोई व्यक्ति या लोग पेपर लीक या आंसर शीट से छेड़छाड़ करने के दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें कम से कम तीन साल की जेल हो सकती है। जुर्माना ? 10 लाख तक भी हो सकता है। साथ ही, अगर कोई सेवा प्रदाता या एजेंसी को इसकी जानकारी है और वो अपराध की जानकारी नहीं देती है, तो उस पर 1 करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।अगर जांच के दौरान यह पता चलता है कि सेवा प्रदाता के किसी वरिष्ठ अधिकारी ने इस अपराध को करने की अनुमति दी थी या उसमें शामिल था, तो उसे कम से कम तीन साल से लेकर 10 साल तक की कैद हो सकती है और साथ ही 1 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

टीएमसी ने भी पेपर लीक मामले पर केंद्र को घेरा

यूजीसी-नेट परीक्षा की जांच सीबीआई द्वारा कराए जाने पर टीएमसी नेता कुणाल घोष ने कहा कि यह केंद्र सरकार का घोटाला है। शिक्षा में सबसे बड़े घोटाले पीएम मोदी के नेतृत्व में हो रहे हैं तो यह उनका घोटाला है, और उनकी एजेंसी इसकी जांच करेगी। यह निष्पक्ष तरीके से कैसे किया जाएगा? वे सीबीआई का इस्तेमाल जांच के लिए नहीं बल्कि इसे छिपाने के लिए कर रहे हैं। इसलिए, हमें लगता है कि जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में होनी चाहिए।

मुद्दा व्यक्तिगत रूप से संसद में उठाऊंगा : राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा का पहला संसद सत्र 24 जून से शुरू होगा। इसबार यह हंगामेदार होने के आसार है। हालांकि तीसरी बार फिर नरेन्द्र मोदी देश के पीएम बन गए हैं। वही इसबार बीजेपी की अल्पमत की सरकार चा रहे हैं। जो जदयू व टीडीपी के सहारे चल रही है। उधर के काम करते ही वह विवादों से घिरती जा रही है। सबसे ज्यादा इस सरकार पर प्रतियोगी परीक्षाओं में हो रही धांधली पर सवाल उठ रहे है। चूकि इसबार सत्ता पक्ष की अपेक्षा विपक्ष मजबूत होकर उभरा है इसलिए जनता से जुड़े मुद्दों को विपक्ष दल इंकडया गठबंधन जोरदार तरीके से उठाने की कोशिश करेगा। खासतौर कांग्रेस नीट पेपर लीक विवाद को जोरशोर तरीके उठाएगा और सरकार को घेरेगा। कुछ दिनों से विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर निशाना साध रहा है। इसी बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कुछ अभ्यर्थियों से मुलाकात की और उसने खास बातचीत की। इस बातचीत का एक वीडियो उन्होंने एक्स पर भी पोस्ट किया है। उन्होंने कहा कि वो इस मुद्दे को संसद में भी उठाएंगे। राहुल गांधी ने अभ्यर्थियों से मुलाकात के वीडियो के साथ एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि नीट देने वाले हजारों छात्र अपने परिवारों के साथ भयंकर गर्मी में सड़क पर हैं और नरेन्द्र मोदी चुप-चाप तमाशा देख रहे हैं। उन्हें भरोसा दिलाता हूं कि इस संघर्ष में सड़क से लेकर संसद तक इंडिया आपके साथ है। उन्होंने वीडियो में कहा कि अगर सरकार आपकी (छात्र) रक्षा नहीं कर सकती, तो विपक्ष आपकी रक्षा करेगा। मैं व्यक्तिगत रूप से यह मुद्दा संसद में उठाऊंगा और सरकार पर पूरा दबाव डालेंगे। कांग्रेस ने नीट के मुद्दे को लेकर शुक्रवार को सभी राज्य मुख्यालय में प्रदर्शन भी किया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-स्नातक में कथित अनियमितताओं से जुड़े विवाद के बीच कहा है कि वह संसद के आगामी सत्र में इस विषय को व्यक्तिगत रूप से उठाएंगे। उन्होंने नीट परीक्षा के कुछ अभ्यार्थियों के साथ बातचीत से संबंधित वीडियो में यह टिप्पणी की।

भाजपा के राज में पेपर लीक राष्ट्रीय समस्या बना: प्रियंक गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के शासन में पेपर लीक होना राष्ट्रीय समस्या बन गया है और सत्तारूढ़ पार्टी का भ्रष्टाचार देश को कमजोर कर रहा है। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, देश में पिछले 5 सालो में 40 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हुए है। भाजपा राज मे पेपर लीक हमारे देश की राष्ट्रीय समस्या बन गया है जिसने अब तक करोड़ो युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा, भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। सबसे ज्यादा युवा आबादी हमारे पास है। भाजपा की सरकार हमारे इन युवाओं को कुशल और सक्षम बनाने की जगह उन्हें कमजोर बना रही है। कांग्रेस नेता ने कहा, करोड़ो होनहार छात्र दिन-रात मेहनत से पढ़ाई करते है, अलग-अलग परीक्षाओ की तैयारी करते है, माता-पिता, तन-पेट काटकर पढ़ाई का बोझ उठाते है। ब'चे सालो तक रिक्तियां आने का इंतजार करते है। भर्ती आती है तो फॉर्म भरने का खर्चा, परीक्षा देने जाने का खर्चा, और अंत मे सारा प्रयत्न भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा का भ्रष्टाचार देश को कमजोर कर रहा है।

खरगे ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

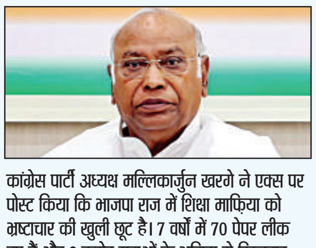

कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया कि भाजपा राज में शिक्षा माफ़िया को भ्रष्टाचार की खुली छूट है। 7 वर्षों में 70 पेपर लीक हुए हैं और 2 करोड़ युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ हुआ है। नीट परीक्षा 'पेपर लीक' घोटाला, युवाओं के प्रति मोदी सरकार की घोर उदासीनता का प्रतीक है। आज पूरे देश में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन हुआ। कांग्रेस युवाओं की आवाज जमकर उठाएगी।

भाजपा मामले को डाइवर्ट करना चाहती हैं : तेजस्वी

उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा के द्वारा तेजस्वी यादव के आप्त सचिव प्रीतम कुमार का नाम नीट पेपर लीक मामले में आने पर तेजस्वी यादव ने भाजपा पर मामले को डाइवर्ट करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा मामले को डाइवर्ट करना चाहती है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि नीट धांधली मामले में अगर प्रीतम कुमार का नाम आता है तो उनको उनको बुलाकर पूछताछ कर लिया जाय। तेजस्वी ने कहा है की जरूरत इस बात की है तो बुला कर पूछताछ कर ले जो भी दोषी है, उन्हें गिरफ्तार करें। अगर इन लोगों से नहीं हो रहा है तो मैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बोल देता हूं कि जो भी दोषी हैं उनको गिरफ्तार करें।

आरोपियो के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए: मायावती

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने शुक्रवार को मांग की कि नीट पेपर लीक मामले में मुख्य आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्वाई की जाए। मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सरकार को नीट पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपियों के विरूद्ध सख्त कार्वाई करनी चाहिए, क्योंकि इसकी वजह से निर्दोष छात्र पिस रहे है। प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पेपर लीक की आड़ मे सियासत करना ठीक नही है। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2024 पांच मई को 4,750 केंद्रो पर आयोजित की गई थी जिसमें लगभग 24 लाख अभ्यर्थियो ने भाग लिया था।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

नौनिहालों को बाल श्रम से बचाना होगा

> विडंबना तो यह है कि बाल श्रम पूरी तरह प्रतिबंधित पर ये कहीं रूका नहीं है धड़ल्ले से जारी है। हद तो तब हो जाती है जब खतरनाक कामों में मासूम बच्चों से काम लिया जाता है। इसका कितना बुरा असर पड़ता है बच्चे कुपोषण के शिकार हो जाते हैं इससे उनकी मृत्यु दर भी बढ़ जाती है। नीति निर्धारकों को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है और ऐसा कुछ करने की आवश्यकता जिससे कि भारत का बचपन असमय ही खत्म न हो जाए।

अभी हाल में मध्य प्रदेश में एक शराब कारखाने में काम करते हुए छोटे बच्चों के समूह को छुड़ाया गया था। बाल श्रम की ऐसी खबरें हमेशा देश के किसी न किसी हिस्से से आती रहती हैं। वैसे भी ढाबों, होटलों पर तो ये मासूम बचपन काम करते हुए दिख जाते हैं। विडंबना तो यह है कि बाल श्रम पूरी तरह प्रतिबंधित पर ये कहीं रूका नहीं है धड़ल्ले से जारी है। हद तो तब हो जाती है जब खतरनाक कामों में मासूम बच्चों से काम लिया जाता है। इसका कितना बुरा असर पड़ता है बच्चे कुपोषण के शिकार हो जाते हैं इससे उनकी मृत्यु दर भी बढ़ जाती है। नीति निर्धारकों को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है और ऐसा कुछ करने की आवश्यकता जिससे कि भारत का बचपन असमय ही खत्म न हो जाए। और समाज को भी इन नौनिहालों को बचाने के लिए आगे आना होगा। वैसे वैश्विक समस्या है बाल श्रम? किसी भी मुल्क के माथे पर सामाजिक कलंक भी है, फिर चाहें वह देश विकसित हो या विकासशील? आज से 19 वर्ष पहले यानी सन 2002 को इस बुराई के विरुद्ध प्रतिवर्ष 12 जून के दिन 'अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन' की पहल पर 'विश्व बालश्रम निषेध दिवस' मनाने का आरंभ हुआ। इस दिवस का मकसद चाइल्ड लेबर के सभी रूपों को रोकने के लिए जनमानस को जागरूकता करना था।

जागरूकता को ध्यान में रखकर ही 2024 की थीम 'अपनी प्रतिबद्धताओं पर कार्य करें बाल श्रम समाप्त करें, निर्धारित की गई है। आंकड़ों की माने तो बालश्रम एशिया और प्रशांत क्षेत्र में दूसरे स्थान पर काबिज है। यहां कुल 7 फीसदी बच्चे विभिन्न किस्म की मजदूरी में संलिप्त है। यही कारण है कि 62 मिलियन बच्चों की बड़ी आबादी आज भी शिक्षा से महरूम है। रोकथाम के लिहाज से प्रयासों में कमी नहीं है, प्रयास बहुतेरे किए जाते हैं कि बच्चों को बाल श्रम की धधकती भट्टियों से आजाद करवाया जाएं। लेकिन परिवारों के मध्य संघर्ष, संकट और आर्थिक मजबूरियां उन्हें बाल श्रम करने को विवश करती हैं। बाल श्रम रोकने में सरकारी व सामाजिक दोनों के प्रयास नाकाफी न रहें, सभी को ईमानदारी से इस दायित्व में आहुति देनी चाहिए। कानूनों की कमी नहीं है, कई कानून सक्रिय हैं। बाल श्रम अधिनियम-1986 के तहत ढाबों, घरों, होटलों में बाल श्रम करवाना दंडनीय अपराध है। बावजूद इसके लोग बाल श्रम को बढ़ावा देते हैं। बच्चों को वह अपने प्रतिष्ठिनों में इसलिए काम दे देते हैं क्योंकि उन्हें कम मजदूरी देनी पड़ती है। लेकिन वह यह भूल बैठते हैं कि वह कितना बड़ा अपराध कर रहे हैं। बाल मजदूरी रोकने के लिए 1979 में बनी गुरुपाद स्वामी समिति ने बेहतरीन काम किया था। उसके बाद अलग मंत्रालय, आयोग, संस्थान और समितियां बनीं, लेकिन बात फिर वहीं आकर रुक जाती है कि जब तक आमजन की सहभागिता नहीं होगी, सरकारी प्रयास भी नाकाफी साबित होंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

परीक्षातंत्र की सर्जरी से ही नासूर का इलाज

लोकमित्र गौतम

मेडिकल क्षेत्र में प्रवेश की अखिल भारतीय परीक्षा नीट यूजी-2024 में पेपर लीक सहित कई दूसरी अनियमितताओं के संबंध में पिछले एक पखवाड़े में सुप्रीम कोर्ट कई बार सुनवाई कर चुका है, लेकिन अभी भी उम्मीदवारों का अखिल भारतीय प्रदर्शन थमा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के इतर विभिन्न प्रदेशों के हाईकोर्ट्स में भी इस संबंध में अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई हो रही है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश में प्रवेश परीक्षाओं और विशेषकर सरकारी नौकरियों में चयन के लिए होने वाली परीक्षाओं में किस स्तर तक धांधली बढ़ चुकी है। चिंताजनक बात यह है कि यह स्थिति तब है, जबकि देश के आठ राज्यों में पेपर लीक और परीक्षाओं में होने वाली धांधलियों से निपटने के लिए कठोर कानून हैं। जल्द ही केंद्र सरकार का भी इस संबंध में एक केंद्रीय कानून आने वाला है, क्योंकि इस कानून का बिल लोकसभा में पहले ही पारित हो चुका है।

पिछले सात वर्षों में 15 राज्यों की 45 सरकारी भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। अगर इनमें अकादमिक परीक्षाओं के लीक हुए पेपरों को भी जोड़ दें तो इनकी संख्या बढ़कर 70 हो जाती है। हाल में आयी एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले सात सालों में 1.5 करोड़ से अधिक छात्र पेपर लीक के कारण प्रभावित हुए हैं। पेपर लीक के इस अपराध के कारण या तो इन छात्रों का करिअर बर्बाद हो चुका है या इनके करिअर का सुखद अवसर हाथ से निकल चुका है। देश के 8 राज्यों में पेपर लीक से लेकर नकल तक को रोकने के लिए कई तरह के कड़े कानून हैं और ये पिछले कई सालों से मौजूद हैं। मसलन महाराष्ट्र में 1982 से नकल विरोधी कानून लागू है, उड़ीसा में 1998 से, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 1997 से, झारखंड में 2001 से, छत्तीसगढ़ में 2008 से, उत्तर प्रदेश में 2017 से और राजस्थान में जुलाई, 2023 से, नकल विरोधी और पेपर लीक जैसी समस्या से सख्ती से निपटने के लिए बेहद सख्त कानून मौजूद हैं। लेकिन पेपर लीक होने की कोई कमी ही नहीं आ रही। हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि उत्तर प्रदेश में भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने के लिए जल्द ही एक कठोर कानून लाया जायेगा, जिससे कि किसी भी कीमत पर युवाओं के भविष्य के साथ किसी किस्म का खिलवाड़ न हो सके। यूपी में नकल को रोकने और पेपर लीक जैसी समस्या से निपटने के लिए कानून के मौजूद होने के बावजूद पिछले सात सालों में सरकारी नौकरियों में भर्ती के आठ महत्वपूर्ण पेपर लीक हुए हैं। जिसमें यूपी एसआई भर्ती परीक्षा-2017, यूपी एसएसएससी परीक्षा-2018, यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती-2024, इन तीन परीक्षाओं में ही करीब 42 लाख परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों की जिंदगी से खिलवाड़ हुआ। जबकि इन तीनों परीक्षाओं में लगभग 80 हजार नौकरियों के पद थे। उत्तर प्रदेश में पहले से ही ऐसा कानून मौजूद है, जिसमें प्रश्नपत्र लीक करने, उत्तर पुस्तिकाओं से छेड़छाड़ करने आदि में शामिल किसी व्यक्ति या समूह को कम से कम तीन सालों के लिए जेल और 1 करोड़ रुपये तक के जुर्माने की सजा का प्रावधान है। इसके बाद भी पेपर लीक और कई दूसरी तरह की परीक्षाओं से संबंधित गड़बड़ियां लगातार हो रही हैं। अब उत्तर प्रदेश सरकार एक साल की सजा के बजाय 10 साल तक की सजा और 1 करोड़ की जगह 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माना लगाने की बात पर विचार कर रही है। उत्तर प्रदेश सरकार के न्याय एवं विधि विभाग तथा गृह विभाग को इस संबंध में जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वो कठोर से कठोर कानून का मसौदा बनाकर मुख्यमंत्री के सामने पेश करें। जानकारों का मानना है कि कितना भी मसौदा कड़ा बना दिया जाए, यह राजस्थान में मौजूद इसी तरह के कानून से ज्यादा कड़ा कानून नहीं होगा, जिसमें इस तरह का अपराध करने वालों को

उम्र कैद तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। यही नहीं ऐसे अपराधियों पर एनएसए या गैंगस्टर जैसे एक्ट लगाये जाने की भी बात है और अगर ये कानून इसके दायरे में आये तो फिर अपराधियों की संपत्तियों पर बुलडोजर भी चलाया जायेगा और अपराधियों की हर तरह की संपत्तियों को छीनकर इस अपराध में हुए आर्थिक नुकसान की भरपायी की कोशिश की जायेगी।

सवाल है कि जब पहले से ही आठ राज्यों में नकल और नौकरियों से संबंधित परीक्षाओं में होने वाली धांधलियों से निपटने के लिए कड़े कानून मौजूद हैं, फिर भी परीक्षाओं में होने वाली तरह-तरह के धांधलेबाजियां नहीं रुक रही हैं, तो भला कैसे उम्मीद की जा सकती है कि एक और कानून आ जाने भर से इस समस्या से छुटकारा मिल जायेगा? दरअसल यह समस्या इसलिए भी छोटी-मोटी नहीं है, क्योंकि देश के सभी महत्वपूर्ण और बड़े प्रदेशों में ये संकट एक लंबे अर्से से मौजूद है।

दिल-दिमाग तक पहुंच रहे हैं प्लास्टिक कण

मुकुल व्यास

पृथ्वी पर शायद ही कोई ऐसी जगह बची है जहां माइक्रोप्लास्टिक नहीं पहुंचा हो। हमारे पर्यावरण को दूषित करने के पश्चात प्लास्टिक के अत्यंत सूक्ष्म कण अब मानव अंगों में भी दाखिल हो चुके हैं। मस्तिष्क और हृदय में माइक्रोप्लास्टिक पहुंच चुका है। प्लेसेंटा (नाल) और मां के दूध में भी प्लास्टिक के कण पाए गए हैं। अपनी व्यापक उपस्थिति और संभावित स्वास्थ्य प्रभावों के कारण माइक्रोप्लास्टिक नई चिंताओं को जन्म दे रहा है। इस साल की शुरुआत में एक बड़े अध्ययन में हृदय की अवरुद्ध धमनियों में जमा वसा के 50 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सों में माइक्रोप्लास्टिक पाए गए थे। यह माइक्रोप्लास्टिक और मानव स्वास्थ्य पर उसके प्रभाव के बीच संबंध स्थापित करने वाला अपनी तरह का पहला डेटा था। अब चीन के शोधकर्ताओं ने एक नए अध्ययन में हृदय और मस्तिष्क की धमनियों तथा निचले पैरों की नसों से शल्य चिकित्सा द्वारा निकाले गए रक्त के थक्कों में माइक्रोप्लास्टिक पाए जाने की जानकारी दी है।

ताजा चीनी अध्ययन में 30 रोगियों को शामिल किया गया जबकि मार्च में प्रकाशित इतालवी अध्ययन में 34 महीनों तक 257 रोगियों का अनुसरण किया गया था। इतालवी विज्ञानियों की नेतृत्व वाली टीम ने पता लगाया था कि धमनियों की जमावट अथवा प्लेक में माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी लोगों में दिल के दौरे या स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ाती है। अब चीनी टीम ने भी रक्त के थक्कों में माइक्रोप्लास्टिक के स्तर और बीमारी की गंभीरता के बीच संभावित संबंध को रेखांकित किया है। अध्ययन में शामिल 30 रोगियों को स्ट्रोक, दिल का दौरा या डीप वेन थ्रोम्बोसिस का अनुभव होने के बाद रक्त के थक्कों को हटाने के लिए सर्जरी करानी पड़ी थी। डीप वेन थ्रोम्बोसिस एक ऐसी स्थिति है जिसमें पैरों की गहरी नसों में रक्त के थक्के बनते हैं।

अध्ययन में सम्मिलित औसतन 65 वर्ष की आयु के रोगियों में उच्च रक्तचाप या डायबीटिज जैसी विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं थी और उनकी जीवनशैली में धूम्रपान और शराब का सेवन शामिल था। वे प्रतिदिन प्लास्टिक उत्पादों का उपयोग करते थे। रक्त के 30 थक्कों का अध्ययन किया गया। इनमें से 24 में रासायनिक विश्लेषण तकनीकों का उपयोग करके विभिन्न आकारों के माइक्रोप्लास्टिक का पता लगाया गया। परीक्षण में उसी प्रकार के प्लास्टिक की पहचान की गई जो इतालवी अध्ययन में पाए गए थे। ये प्लास्टिक हैं पॉलीविनाइल क्लोराइड (पीवीसी) और पॉलीइथिलीन (पीई)। यह आश्चर्य की बात नहीं है क्योंकि पीवीसी का अक्सर निर्माण में उपयोग किया जाता है। ये दो सबसे अधिक उत्पादित प्लास्टिक हैं। नए अध्ययन में थक्कों में 'पॉलियामाइड 66' का भी पता चला, जो कपड़े और वस्त्रों में इस्तेमाल होने वाला एक आम प्लास्टिक है। अध्ययन में पहचाने गए 15 प्रकारों में से, पीई सबसे आम प्लास्टिक था। विश्लेषित कणों में इसका हिस्सा 54 प्रतिशत था। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि जिन लोगों के रक्त के थक्कों में माइक्रोप्लास्टिक का स्तर अधिक था, उनमें डी-डिमर का स्तर भी उन रोगियों की तुलना में अधिक था,जिनके रक्त थक्कों में माइक्रोप्लास्टिक नहीं पाया गया था। डी-डिमर प्रोटीन का एक टुकड़ा है जो रक्त के थक्कों के टूटने पर निकलता है। यह सामान्य रूप से रक्त प्लाज्मा में मौजूद नहीं होता है। इसलिए रक्त परीक्षण में डी-डिमर का उच्च स्तर रक्त के थक्कों की उपस्थिति का संकेत दे सकता है।

शोधकर्ताओं को संदेह है कि माइक्रोप्लास्टिक रक्त में जमा होकर थक्के को बदतर बना सकता है। मानव स्वास्थ्य के लिए माइक्रोप्लास्टिक नुकसानदेह है। लेकिन इसकी जांच के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है। चीनी विज्ञानी टिंगटिंग वांग और उनके सहयोगियों ने अपने पेपर में लिखा है कि उनके निष्कर्ष बताते हैं कि माइक्रोप्लास्टिक धमनियों और नसों के स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा जोखिम कारक हो सकते हैं। शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी कि पर्यावरण और रोजमर्रा के उत्पादों में माइक्रोप्लास्टिक की सर्वव्यापकता के कारण मानव का माइक्रोप्लास्टिक के संपर्क में आना अपरिहार्य है। अत: दुनिया को प्लास्टिक के उपयोग पर अंकुश लगाना पड़ेगा।

इस बीच, अमेरिका के न्यू मैक्सिको विश्वविद्यालय के नेतृत्व में किए गए शोध में कुत्तों और मनुष्यों, दोनों से लिए गए अंडकोष के ऊतक के नमूनों की जांच की गई। शोधकर्ताओं ने प्रत्येक नमूने में माइक्रोप्लास्टिक पाया, जिसकी प्रचुरता कुत्तों की तुलना में मनुष्यों में लगभग तीन गुना अधिक थी। टीम ने कुत्तों में ऊतक के प्रति ग्राम औसतन 122.63 माइक्रोग्राम माइक्रोप्लास्टिक पाया। मनुष्यों में यह मात्रा प्रति ग्राम 329.44 माइक्रोग्राम थी। यह अध्ययन हमें यह याद दिलाने के अलावा कि प्लास्टिक प्रदूषण हमारे शरीर के हर हिस्से में कैसे प्रवेश कर रहा है, एक चिंताजनक सवाल उठाता है कि क्या प्लास्टिक के सूक्ष्म टुकड़े पुरुष प्रजनन क्षमता को भी प्रभावित कर सकते हैं? न्यू मैक्सिको विश्वविद्यालय के पर्यावरण स्वास्थ्य वैज्ञानिक जियाओजोंग यू कहते हैं, शुरुआत में मुझे संदेह था कि माइक्रोप्लास्टिक प्रजनन प्रणाली में प्रवेश कर सकता है। जब मुझे पहली बार कुत्तों के लिए परिणाम मिले तो मैं हैरान रह गया। जब मुझे मनुष्यों के लिए परिणाम मिले तो मैं और भी हैरान रह गया। पहचाने गए 12 अलग-अलग प्रकार के माइक्रोप्लास्टिक में से, शोधकर्ताओं को कुत्तों और मनुष्यों दोनों में पॉलीइथिलीन (पीई) प्लास्टिक सबसे ज्यादा मिला जिसका इस्तेमाल प्लास्टिक बैग और प्लास्टिक की बोतलों के निर्माण में होता है।

भारत के ये हैं चार सबसे खूबसूरत हिल स्टेशन

ट्रैकिंग और कैंपिंग से लेकर गर्मियों में ठंडक के बीच सुकून वाली छुट्टी मनाने का विचार आते ही सबसे पहले हिल स्टेशनों के विकल्प पर ध्यान जाता है। इतनी गर्मी में लोग हिल स्टेशन जाना पसंद हैं ताकि तापमान से कुछ राहत मिल सके और शोर शराबे से दूर रहें। हालांकि ये विचार सिर्फ आपको ही नहीं, घूमने का शौक रखने वाले अधिकतर लोगों को आता है। ऐसे में सबसे प्रसिद्ध और खूबसूरत हिल स्टेशनों पर इस मौसम में पर्यटकों की भारी भीड़ पहुंच जाती है। सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में शिमला-मनाली, मसूरी और धर्मशाला आदि शामिल हैं। अगर आप भी यहां सुकून की छुट्टी मनाने के लिए जाना चाहते हैं तो बहुत अधिक ट्रैफिक और भीड़ के कारण गर्मी आपको यहां सुकून नहीं दे पाएगा। बहुत कम लोगों को पता होगा कि मनाली से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर उतनी ही खूबसूरत दृश्यों वाला हिल स्टेशन है। अगर आप शिमला-मनाली और मसूरी जैसे हिल स्टेशनों पर जाना चाहते हैं लेकिन भीड़ से भी बचना चाहते हैं तो भारत के कुछ छुपे हुए हिल स्टेशनों का चयन कर सकते हैं। जहां आप गर्मियों की छुट्टी बिता सकते हैं।

कल्पा

कल्पा भारत के हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में स्थित एक खूबसूरत गांव है, जहां से बर्फ से ढकी हिमालय की चोटियों का मनमोहक दृश्य दिखाई देता है। यह गांव अपने सेब के बागों के लिए जाना जाता है, जहां उच्च गुणवत्ता वाले सेब पैदा होते हैं जो अपने स्वाद और सुगंध के लिए प्रसिद्ध हैं।

कनातल

छुपे हुए खूबसूरत हिल स्टेशनों की तलाश में हैं तो उत्तराखंड के कनातल हिल स्टेशन के सफर पर जा सकते हैं। यहां सीमित सैलानी आते हैं, इसलिए प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के साथ ही भीड़ भाड़ से दूर सुकून का वक्त बिता सकते हैं। कनातल में कैंपिंग, ट्रैकिंग कर सकते हैं। यह हिल स्टेशन देहरादून से 78 किमी दूर है। मसूरी से 38 किमी और चंबा से 12 किमी दूर इस हिल स्टेशन पर पहुंचना भी आसान है। कनातल हिल स्टेशन की सैर के लिए देहरादून रेलवे स्टेशन से आगे का सफर बस से कर सकते हैं। अगर मसूरी या चंबा में है तो भी टैक्सी या स्थानीय बस आपको कनातल की सैर करा सकती हैं।

कलगा गांव

ट्रैकिंग के शौकीन हैं तो कलगा गांव का रुख करें। कलगा-बुनबुनी-खीरगंगा ट्रैक बेहतर विकल्प हो सकता है। इस 28 किमी लंबे ट्रैक को पूरा करने में तीन दिन का वक्त लग सकता है। कलगा गांव और ट्रैक हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में पार्वती घाटी में पुलगा डैम के पास स्थित है। ट्रैकिंग के अलावा यहां पहाड़ी की चोटी से मणिकर्ण घाटी का अद्भुत नजारा दिखता है।

शांघड़ गांव

हिमाचल प्रदेश में कुल्लू जिले की सैंज घाटी में खूबसूरत शांघड़ गांव बसा है। इस गांव के नजारे स्विट्जरलैंड जैसे हैं। यही वजह है कि शांघड़ मैदान को कुल्लू का खज्जियार या भारत का दूसरा मिनी स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है। शांघड़ के मैदान में हरे-भरे पेड़ और अद्भुत चीड़ के पेड़ों व रंग बिरंगे छोटे घरों का नजारा विदेशी पर्यटन जैसा लगता है। यहां बरशानगढ़ झरना, शंगचुल महादेव मंदिर, शांघड़ मीडोज और रैला गांव में लकड़ी से बना टावर मंदिर है, जहां आप मन की शांति और सुंदर दृश्यों का सुख ले सकते हैं। अपने शहर से चंडीगढ़, अंबाला या जोगिंदर नगर रेलवे स्टेशन पहुंचे। यहां से सड़क मार्ग के जरिए मनाली तक का सफर कर सकते हैं। गंतव्य तक पहुंचने के लिए मनाली से सैंज का सफर स्थानीय बस से कर सकते हैं।

हंसना मना है

डॉक्टर- कैसे हो? शराब पीना बंद किया या नहीं? मरीज- जी डॉक्टर साहब, बिल्कुल छोड़ दिया है, बस कोई ज्यादा रिक्वेस्ट करता है तो पी लेता हूं। डॉक्टर- बहुत बढ़िया... और यह तुम्हारे साथ कौन भाई साहब हैं? मरीज- जी इनको रिक्वेस्ट करने के लिए रखा हुआ है।

डॉक्टर मरीज से- अगर तुम मेरी दवा से ठीक हो गए तो मुझे क्या इनाम दोगे? मरीज- साहब मैं तो बहुत गरीब आदमी हूं कब्र खोदता हूं...... आपकी फ्री में खोद दूंगा।

भिखारी- पहले आप 10-10 रु. देते थे अब सिर्फ 1 रु का सिक्का? संता- बाबा पहले मैं कुंवारा था अब शादीशुदा हूं। भिखारी- शर्म नहीं आती मेरे पैसों से अपने बीवी-बच्चों को पाल रहा है।

मास्टर जी- पप्पू, तुम्हारे पड़ोस के दादाजी आजकल दिखाई नहीं दे रहे हैं? पप्पू- सर वो गुजर गए! मास्टर जी- अरे, क्या हुआ था उन्हें? पप्पू- वो टीवी पर योग सीखाने वाले बाबा को देखकर योगा कर रहे थे! मास्टर जी- अच्छा, फिर? पप्पू- बाबा ने निर्देश दिया गहरी सांस अंदर लो और जब मैं कहूं तब बाहर छोड़ना... मास्टर जी- अच्छा फिर? पप्पू- फिर क्या अचानक लाइट चली गई और तीन घंटे बाद जब लाइट आई तब तक दादाजी चल बसे थे!

कहानी | गौरैया और बंदर

एक जंगल में पेड़ पर एक गौरैया का जोड़ा रहता था। वो उस पेड़ पर अपना घोंसला बनाकर गुजर-बसर करते थे। दोनों खुशी-खुशी अपना जीवन बीता रहे थे। इस बार शर्दियों में बहुत ही कड़ाके की ठंड पड़ने लगी। ठंड से बचने के लिए एक दिन कुछ बंदर उस पेड़ के नीचे ठिठुरते हुए पहुंचे। तेज ठंडी हवाओं से सभी कांप रहे थे। पेड़ के नीचे बैठने के बाद वो आपस में बात करने लगे कि काश कहीं से आग सेंकने को मिल जाती तो ठंड दूर हो जाती। एक बंदर की नजर पास पड़ी सूखी पत्तियों पर पड़ी। उसने कहा, चलो इन सूखी पत्तियों को इक्ट्ठा करके जलाते है। उन बंदरों ने पत्तियों को एक जगह इक्ट्ठा किया और उन्हें जलाने का उपाय करने लगे। ये सब पेड़ पर बैठी गौरैया देख रही थी। ये सब देखकर उससे रहा नहीं गया और वो बंदरों से बोल पड़ी, तुम लोग कौन हो? देखने में तो तुम आदमियों की तरह लग रहे हो, हाथ-पैर भी हैं, तुम अपना घर बनाकर क्यों नहीं रहते? इस बंदर चिढ़ गए और बोले, तुम अपना काम करो, हमारे काम में पड़ने की जरूरत नहीं है। फिर आग जलाने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाने लगे। इतने में बंदरों की नजर एक जुगनू पर पड़ी। वो चिल्लाने लगा, देखो ऊपर हवा में चिंगारी है, इसे पकड़कर आग जलाते हैं। यह सुनते ही सारे बंदर उसे पकड़ने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाने लगे। ये देख चिड़िया फिर बोल पड़ी, यह जुगनू है, इससे आग नहीं सुलगेगी। तुम लोग दो पत्थरों को घिसकर आग जला सकते हो। बंदरों ने चिड़िया की बात को अनसुना कर दिया। कई कोशिश के बाद उन्होंने जुगनू को पकड़ लिया और फिर उससे आग जलाने की कोशिश करने लगे, पर वो कामयाब नहीं हो पाए और जुगनू उड़ गया। फिर से गौरेया बोल उठी, आप लोग मेरी बात मानिए, पत्थर रगड़कर आप आग जला सकते हैं। इतने में एक गुस्साए हुए बंदर से रहा न गया और उसने पेड़ पर चढ़कर गौरेया के घोसले को तोड़ दिया। यह देख चिड़िया दुखी हो गई और डर कर रोने लगी। इसके बाद वो उस पेड़ से उड़कर कहीं और चली गई।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
नए कार्य में लाभ मिलेगा। उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

वृषभ
चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

मिथुन
विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

कर्क
डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा।

सिंह
योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

कन्या
कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी।

तुला
बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी।

वृश्चिक
स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

धनु
स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा।

मकर
रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी।

कुम्भ
किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दु:खद समाचार मिल सकता है। नए कार्य में बनेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें।

मीन
मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

चंदू चैंपियन में कार्तिक का अभिनय सर्वश्रेष्ठ और ईमानदार रहा : करण जौहर

कार्तिक आर्यन की हालिया रिलीज फिल्म चंदू चैंपियन इस वक्त काफी चर्चा में है। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों के तरफ से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। इस फिल्म के लिए अभिनेता की मेहनत भी साफ झलक रही है। इसमें कार्तिक आर्यन की बहुमुखी अभिनय क्षमता देखने को मिली है। इस वजह से उन्हें फिल्म के लिए काफी सराहना मिल रही है। कई मशहूर फिल्मी हस्तियों ने उनकी तारीफ की है। इस कड़ी में अब मशहूर फिल्म निर्माता और निर्देशक करण जौहर ने भी फिल्म को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। करण जौहर किसी पहचान के मोहताज नहीं है। बॉलीवुड में उनकी गिनती सबसे सफल निर्माता-निर्देशकों में होती है। उन्होंने आखिरी बार साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का निर्देशन किया था। कार्तिक आर्यन की हालिया रिलीज फिल्म देखकर वो भी अभिनेता की तारीफ करने से खुद को रोक नहीं सके। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म की समीक्षा करते हुए अभिनेता और निर्देशक के लिए एक दिल को छू लेने वाला संदेश लिखा है। करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक स्टोरी साझा की। इस दौरान उन्होंने कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चैंपियन का एक पोस्टर साझा किया तथा अभिनेता और निर्देशक कबीर खान की तारीफ की। करण ने इस फिल्म में कार्तिक के अभिनय को उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ और बहुत ही मानवीय तथा ईमानदार अभिनय बताया है। उन्होंने फिल्म की तारीफ करते हुए इसे एक ठोस, ईमानदार और बेहतरीन फिल्म बताया है। करण ने लिखा, कबीर खान ने इस साहसी और प्रेरित करने वाली जीवनी का निर्देशन मानवीय भावना के लिए एक प्रेम पत्र की तरह किया है। इसके साथ ही उन्होंने इस फिल्म को जरूर देखी जाने वाली फिल्म कहा है। कार्तिक की फिल्म के लिए करण जौहर की तारीफ काफी सुर्खियां बटोर रही है। गौरतलब है कि साल 2021 में करण और कार्तिक के बीच कथित अनबन की खबरें आई थीं।

सफल महिलाओं से नफरत करते हैं अन्नू कपूर : कंगना

अपने थप्पड़ कांड पर की गयी टिप्पणी पर किया वार

बॉलीवुड क्वीन कंगना रनौत ने अभिनय के बाद राजनीति में कदम रखा है। हाल ही में हिमाचल प्रदेश के मंडी निर्वाचन क्षेत्र से आम चुनाव जीता है। कुछ दिनों पहले अभिनेत्री को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर एक सीआईएसएफ ने थप्पड़ मार दिया था। हाल ही में अन्नू कपूर ने इस मामले पर अपनी प्रतिक्रया देते हुए पहले तो अभिनेत्री को पहचानने से इंकार कर दिया फिर कहा कि उन्हें कानूनी कार्रवाई का सहारा लेना चाहिए था। कंगना ने अन्नू कपूर द्वारा उनके थप्पड़ कांड के बारे में बात करने पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, क्या आप अनु कपूर जी से सहमत हैं कि हम सफल महिलाओं से नफरत करते हैं, अगर वह खूबसूरत हैं तो उससे और भी ज्यादा नफरत करते हैं और अगर वह शक्तिशाली हैं तो उससे और भी ज्यादा नफरत करते हैं? क्या यह सच है? अन्नू कपूर ने अपनी फिल्म हमारे बारह की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इस घटना के बारे में बात की। उनसे कंगना के थप्पड़ कांड के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, ये कंगना जी कौन हैं? प्लीज बताओ न कौन हैं? जाहिर है आप पूछ रहे हैं तो कोई बहुत बड़ी हीरोइन होंगी? सुंदर हैं क्या? इसके बाद एक मीडियाकर्मी ने उन्हें बताया कि अभिनेत्री अब मंडी से नवनिर्वाचित सांसद हैं। इस पर अन्नू ने कहा, ओहो वो भी हो गईं! अभी तो बहुत शक्तिशाली हो गई हैं। उन्हें थप्पड़ मारने वाले कर्मियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। अभिनेता ने कहा क्योंकि अगर वह उनकी स्थिति में होते तो वह भी ऐसा ही करते। गौरतलब है कि कंगना रणौत जब 6 जून को नई दिल्ली जा रही थीं, तब चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर एक ऑन-ड्यूटी महिला सीआईएसएफ कांस्टेबल ने उन्हें थप्पड़ मार दिया था। इस चौंकाने वाली घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। कंगना ने बाद में इस घटना के बारे में बात करने के लिए एक वीडियो भी जारी किया था।

बोनी से अनबन पर अनिल बोले- ये घर की बात

बॉलीवुड | मसाला

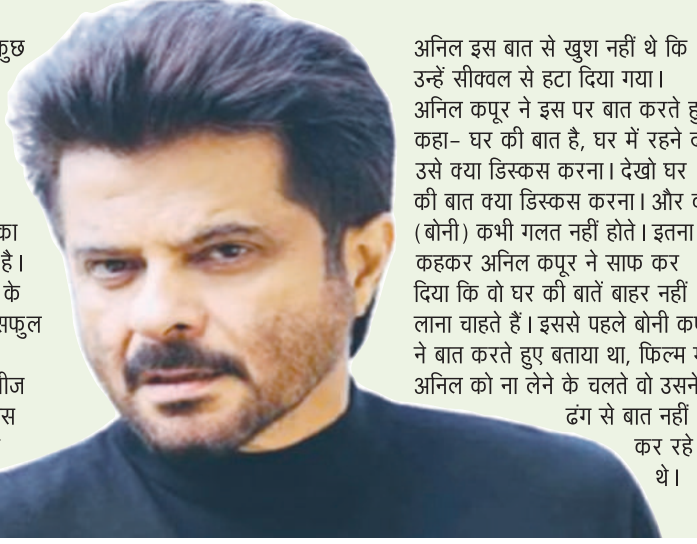

बॉलीवुड के झक्कास एक्टर अनिल कपूर बिग बॉस हुअअ सीजन 3 को लेकर चर्चा में हैं। इस सीजन सलमान खान नहीं, बल्कि अनिल कपूर शो के होस्ट हैं। एक्टर लगभग 40 साल से इंडस्ट्री में एक्टिव हैं और हिंदी सिनेमा को एक से बढ़कर एक हिट मूवी दी है। इन्हीं सुपरहिट मूवीज में से एक नो एंट्री है, जो 2005 में रिलीज हुई थी। फिल्म को अनिल कपूर के बड़े भाई बोनी कपूर ने प्रोड्यूस किया था। बोनी कपूर फिल्म का सीक्वल भी अनाउंस कर चुके हैं, जिसमें अनिल कपूर नहीं होंगे। कुछ समय पहले दोनों भाइयों में अनबन की चर्चा थी। बोनी कपूर ने एक इंटरव्यू में कहा था कि नो एंट्री का हिस्सा ना होने की वजह से अनिल उनसे नाराज हैं। जानते हैं कि इस बारे में एक्टर का कहना है। फिल्म के सक्सेसफुल होने के बाद अब बोनी कपूर इस फिल्म का सीक्वल नो एंट्री 2 रिलीज करने की तैयारी में हैं। लेकिन इस फिल्म में अनिल कपूर नहीं नजर आएंगे। पिछले दिनों खबरें थीं कि अनिल इस बात से खुश नहीं थे कि उन्हें सीक्वल से हटा दिया गया। अनिल कपूर ने इस पर बात करते हुए कहा- घर की बात है, घर में रहने दो। उसे क्या डिस्कस करना। देखो घर की बात क्या डिस्कस करना। और वो (बोनी) कभी गलत नहीं होते। इतना कहकर अनिल कपूर ने साफ कर दिया कि वो घर की बातें बाहर नहीं लाना चाहते हैं। इससे पहले बोनी कपूर ने बात करते हुए बताया था, फिल्म में अनिल को ना लेने के चलते वो उससे ढंग से बात नहीं कर रहे थे।

अजब-गजब | महिला की 80 साल पहले छूट गई थी पढ़ाई

अब 105 साल की उम्र में हासिल की मास्टर्स डिग्री!

कॉलेज छोड़ने के बाद ही बहुत से लोग कहने लगते हैं कि पढ़ाई की उम्र नहीं रही। वहीं कई लोग नौकरी करते करते, तो कई महिलाएं, शादी के बाद या फिर बच्चों की पढ़ाई के साथ ही अपनी पढ़ाई करती हैं। लेकिन क्या ऐसा हो सकता है कि किसी की पढ़ाई बीच में छूटी हो और फिर दशकों बाद वह अपनी डिग्री पूरी कर सके। जी हां, ऐसा हुआ है। एक महिला ने 80 साल बाद 105 साल की उम्र में अपनी मास्टर डिग्री हासिल की। अमेरिका के वर्जीनिया गिनी हिसलोप ने स्टैनफोर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ एजुकेशन से 80 साल बाद अपनी मास्टर डिग्री हासिल की है। उन्होंने 1940 के दशक में स्टैनफोर्ड में जरूरी कक्षाएं ली थीं। यहां तक कि अपना कोर्सवर्क भी पूरा कर लिया था, लेकिन अंतिम मास्टर थीसिस जमा करने से ठीक पहले, द्वितीय विश्व युद्ध छिड़ गया, जिससे उनका डिग्री कोर्स अटक गया। युद्ध शुरू होने की वजह से गिनी के प्रेमी जॉर्ज हिसलोप को युद्ध में सेवा करने के लिए बुलाया गया था। इसके कारण गिन्नी हिसलोप ने उससे शादी करने के लिए स्कूल छोड़ दिया। उन्होंने आखिरकार युद्ध के प्रयासों में सहायता की और अपने परिवार के पालन-पोषण पर ध्यान लगा दिया। अपने परिवार के साथ जीवन को आगे बढ़ाते हुए, जिसमें दो बच्चे, चार पोते और नौ परपोते शामिल हैं, गिन्नी हिसलोप ने दशकों तक वाशिंगटन राज्य में स्कूल और कॉलेज बोर्ड में भी काम किया। इस दौरान, स्टैनफोर्ड ने अपनी थीसिस की आवश्यकता को समाप्त कर दिया, और गिन्नी हिसलोप अंततः स्नातक होने के लिए स्कूल लौट आईं, रविवार, 16 जून को शिक्षा में कला के अपने मास्टर को स्वीकार करने के लिए मंच पर गईं। जब उन्हें तस्थ डीन डैनियल श्वार्ट्ज द्वारा उनका डिप्लोमा सौंपा गया, तो गिन्नी हिसलोप ने कहा, हे भगवान, मैंने इसके लिए लंबे समय तक इंतजार किया है। बुधवार को प्रसारित एक इंटरव्यू में गुड मॉर्निंग अमेरिका से बात करते हुए, गिन्नी हिसलोप ने बताया कि किया कि इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए वह लंबे समय इंतजार कर रही थीं।

दुनिया का सबसे महंगा बिस्किट, 1 पीस की कीमत में आ जाएगी कार!

अगर आप बाजार में बिस्किट खरीदने जाएं तो आपको 5-10 रुपये में बढ़िया बिस्किट का पैकेट मिल जाएगा जिसमें कम से कम 8-10 पीस बिस्किट तो होंगे ही। पर दुनिया में एक बिस्किट का ऐसा पीस है, जो सिर्फ 1 है, पर उसकी कीमत इतनी ज्यादा है कि उतने में आप कार भी खरीद सकते हैं। ये दुनिया का सबसे महंगा बिस्किट है। पर सवाल ये उठता है कि ये इतना महंगा क्यों है? बीबीसी की साल 2015 की रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर 2015 में एक बिस्किट नीलाम हुआ, जिसकी कीमत लगी 15 हजार पाउंड यानी आज के हिसाब से 15 लाख रुपये। ये इतना महंगा इसलिए है क्योंकि ये इकलौता ऐसा बिस्किट है, जो टाइटैनिक पर था और सुरक्षित पाया गया था। स्पिलर्स एंड बेकर्स का पायलट क्रैकर बिस्किट टाइटैनिक की एक लाइफ बोट में रखे सर्वाइवल किट में मिला था। इस वजह से इसे दुनिया का सबसे कीमती बिस्किट भी माना जाता है। इसे ग्रीस के एक कलेक्टर ने खरीदा था। इस बिस्किट को सूविनियर के तौर पर आरएमएस कारपेथिया में मौजूद कपल जेम्स और मेबल फेनविक ने सहेजकर रखा था। दरअसल, आरएमएस कारपेथिया शिप को, टाइटैनिक में बचे लोगों को बचाने के लिए बुलाया गया था। तब कपल ने बिस्किट उठा लिया था और फिर उसे कोडेक फिल्म के लिफाफे में रख लिया था। इस बिस्किट के साथ कपल ने कुछ फोटोज के नेगेटिव भी सुरक्षित रख लिए थे। इस बिस्किट को नीलाम करने वाले नीलामकर्ता एंड्रू एल्ड्रिज ने कहा था कि ये हैरानी की बात है कि एक बिस्किट, इतने भयानक हादसे को झेल गया। उनकी जानकारी में टाइटैनिक से बचा दूसरा कोई बिस्किट उपलब्ध नहीं है। उनके अनुसार कुछ सालों पहले जाने-माने खोजी और एक्सप्लोरर Sir Ernest Shackleton की यात्राओं के दौरान मिले 100 साल पुराने बिस्किट को भी नीलाम किया गया था, जिसे 3 लाख रुपये में खरीदा गया था।

कई चुनौतियों को पार कर हासिल किया मुकाम : अडानी

» अडानी कंपनी की एनुअल जनरल मीटिंग में शेयरहोल्डर्स को दिया समूह के चेयरमैन ने संदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। अडानी समूह के गौतम अडानी ने कहा है कि अडानी एंटरप्राइजेज के 30 साल होने पर उन्हें बेहद खुशी हो रही है। उन्होंने कंपनी के एनुअल जनरल मीटिंग में अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि आपको बताते हुए मुझे खुशी हो रही है कि हमारी यात्रा को 30 साल पूरे हो चुके हैं और इसलिए यह साल हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। 1994 में अडानी एंटरप्राइजेज के मामूली आईपीओ से लेकर हमने जिन चुनौतियों का सामना किया और जो सफलताएं हमने हासिल की हैं।

यह उस अविश्वसनीय यात्रा का जश्न मनाने का समय है। मेरे विचार में, हमारी सफलता को हमारी उपलब्धियों से कम और विपरीत परिस्थितियों में दृढ़ता से खड़े रहने की हमारी क्षमता में अधिक नापा जाना चाहिए। अपने बारे में ही बात करूं तो, मैंने अपनी शिक्षा अपनी मां से ली। बनासकांठा के रेगिस्तानों में मैने अपना बचपन गुजारा और अपनी मां से सीखा कि सच्ची ताकत दृढ़ता में होती है।यह दृढ़ता ही है जिसने हमें देश की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक बनने में सक्षम बनाया है। लेकिन पिछले साल हमने इसे और बेहतर तरीके से प्रदर्शित किया। हमें एक विदेशी शॉर्ट सेलर द्वारा लगाए गए निराधार आरोपों का सामना करना पड़ा, जिसने हमारी दशकों की कड़ी मेहनत पर सवाल उठाया। हमारी अखंडता और प्रतिष्ठा पर हुए इस हमले का सामना करते हुए, हमने मुकाबला किया और साबित कर दिया कि कोई भी चुनौती उस नींव को कमजोर नहीं कर सकती जिस पर आपका यह समूह स्थापित हुआ है।

लिक्विडिटी हमारी सबसे बड़ी एसेट

इस स्थिति में, जहां अधिकांश कंपनियां डूब गई होंगी, हमारी लिक्विडिटी हमारी सबसे बड़ी एसेट बन गई। अपने कैश रिज़र्व को और बढ़ाने के लिए, हमने अतिरिक्त 40,000 करोड़ रुपये जुटाए, जिससे हमारे कर्ज की भरपाई को अगले दो सालों में आसानी से कवर किया जा सके। यह निर्णायक कार्रवाई कंपनी की ताकत का प्रमाण बनी। साथ ही मार्केट का भी हमारे प्रति विश्वास बढ़ा और हमने मार्जिन-लिंक्ड फाइनेंसिंग में 17,500 करोड़ रुपये का पहले से ही भुगतान करके किसी भी अस्थिरता के खिलाफ अपने पोर्टफोलियो को सुरक्षित रखा।इसके अलावा, कर्ज की भरपाई के दौरान,हमने केवल छह महीनों में अपने कर्ज और एबिटडा अनुपात को 2.5 गुनातक कम करने का निर्णय लिया। अब यह और भी कम होकर 2.2 गुनापर आ गया है। इस दृष्टिकोण ने न केवल हमारी फाइनेंशियल फ्लैक्सिबिलिटी को बढ़ाया, बल्कि भविष्य में विस्तार के लिए हमारी गुंजाइश भी बढ़ा दी है।

वर्ष 2023-24 में मिली अभूतपूर्व उपलब्धि

वर्ष 2023-24 में हमने एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की। हमने अपना उच्चतम एबिट्डा 82,917 करोड़ रुपए दर्ज किया, यह लगभग 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। यह 45 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। इस अविश्वसनीय प्रदर्शन ने हमारे पीएटी को 40,129 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुँचा दिया, जो 71प्रतिशत की पर्याप्त वृद्धि को दर्शाता है। विगत वर्ष के दौरान हमारा शुद्ध ऋण बनाम एबिट्डा 3.3 गुना से घटकर 2.2 गुना हो गया। और इन सबके परिणामस्वरूप ग्रुप के लिए 59,791 करोड़ रुपए के नकद शेष के साथ तरलता का सर्वकालिक उच्च स्तर दर्ज किया गया।

राजनीति से गायब हो चुका है वफादारी का युग : वसुंधरा राजे

» बोलीं- भंडारी ने अनेक कार्यकर्ताओं की मदद कर उन्हें शीर्ष पर पहुंचाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा कि भाजपा नेता सुंदर सिंह भंडारी वफादारी के युग से थे और यह युग अब राजनीति से दूर हो चुका है। उन्होंने कहा कि नेता अब अपने उन वरिष्ठों की उपेक्षा कर रहे हैं जिनसे उन्होंने सीखा है। राजे उदयपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के विचारक भंडारी की पुण्यतिथि पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने बिहार और गुजरात के पूर्व राज्यपाल भंडारी के बारे में कहा, आप सभी जानते हैं कि भंडारी ने अनेक कार्यकर्ताओं की मदद की और उन्हें शीर्ष पर पहुंचाया।

उन्होंने अनेक कार्यकर्ताओं की उंगलियां पकड़कर उन्हें उनके राजनीतिक करियर में आगे बढ़ने में मदद की। राजे ने कहा, वफादारी का वह दौर अलग था। आज लोग चलना सीखने के लिए जिसकी उंगली पकड़ते हैं उसे ही काटने की कोशिश करते हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत सहित भाजपा और आरएसएस के अन्य नेताओं को भी याद किया और उनकी प्रशंसा की।

गंगा जल संधि पर राज्य सरकार की नहीं ली गई राय : डेरेक ओब्रायन

» बांग्लादेश के साथ हुए समझौतों पर तृणमूल ने लगाया केंद्र पर आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। भारत और बांग्लादेश के प्रधानमंत्रियों ने बीते दिन कई अहम द्विपक्षीय मुद्दों के साथ कई अहम समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसमें 1996 गंगा जल बंटवारा संधि के नवीनीकरण पर बातचीत शुरू करने का फैसला भी शामिल है। वहीं केंद्र सरकार के इस फैसले पर राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के संसदीय दल के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि पश्चिम बंगाल राज्य भी इस संधि का भागीदार है, लेकिन उससे राय नहीं ली गई है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की राय के बिना फरक्का-गंगा संधि का नवीनीकरण किया जा रहा है।

ब्रायन ने कहा पिछली संधि के तहत हमारा बकाया भी नहीं चुकाया गया है। उन्होंने आरोप

लगाया कि गंगा की ड्रेजिंग बंद कर दी गई है, जो बाढ़ और कटाव का मुख्य कारण है। बता दें नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। इसके बाद जारी भारत-बांग्लादेश साझा विजन दस्तावेज में कहा गया है कि दोनों पक्ष 1996 की गंगा जल बंटवारा संधि के नवीनीकरण के लिए चर्चा शुरू करने के लिए एक संयुक्त तकनीकी समिति के गठन का स्वागत करते हैं।

दिल्ली में जल संकट पर जारी है सियासत

» आतिशी के अनशन का आज चौथा दिन

» अनशन के बाद हरियाणा ने पानी और कम किया : भारद्वाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में जल संकट पर सियासी पारा बढ़ा हुआ है। जल मंत्री आतिशी अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठी हैं। अनशन का आज चौथा दिन है। वहीं उपराज्यपाल ने आप नेताओं को भरोसा दिया कि वे हरियाणा सरकार से दिल्ली को पानी दिलाने का प्रयास करेंगे। आतिशी के अनशन का आज चौथा दिन है। आतिशी ने वीडियो मैसेज जारी किया है। डॉक्टर बता रहे हैं मेरा कीटोन लेवल खतरनाक है। मुझे अनशन से उठ जाना चाहिए। दिल्ली में पानी लाने के लिए हर कीमत चुकाने को तैयार हूं। मैं अपना अनशन जारी रखूंगी।

संजय सिंह ने बताया कि नहरों की

लीकेज को खत्म करने पर 500 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। दिल्ली में 12 हजार किलोमीटर पाइपलाइन बिछाने का काम किया गया। इस दौरान एलजी ने भी कुछ सुझाव दिए, जिस पर मिलकर काम करने की सहमति बनी। वहीं इस बीच दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने हरियाणा की भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जब से आतिशी ने अनशन शुरू किया है तब से हरियाणा सरकार ने दिल्ली का पानी और कम कर दिया है। दिल्ली के मंत्री और आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा, हरियाणा की भाजपा सरकार लगातार झूठ बोल रही है, वे पानी कम कर रहे हैं।

आतिशी और भाजपा नेता पानी संकट का समाधान खोजने के बजाय राजनीति कर रहे: कांग्रेस

कांग्रेस की दिल्ली इकाई के अंतरिम प्रमुख देवेंद्र यादव ने रविवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय राजधानी में पानी की कमी के मुद्दे का समाधान खोजने के बजाय जल मंत्री आतिशी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद एवं नेता इस पर राजनीति कर रहे हैं। यादव ने एक बयान में कहा कि आतिशी महज राजनीतिक तमाशा कर रही हैं। दिल्ली की मंत्री ने भाजपा शासित हरियाणा पर 100 मिलियन गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) कम पानी छोड़ कर दिल्ली के लगभग 28 लाख लोगों को वंचित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के हिस्से का पानी जारी करने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठीं मंत्री को "जल सत्याग्रह नाटक" करने से पहले इस मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए थे।

विंडीज विश्वकप से बाहर, अफ्रीका सेमीफाइनल में

» दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराया

» अंतिम चार में इंग्लैंड टीम भी पहुंची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

एंटीगुआ। मेजबान वेस्टइंडीज टी20 विश्व कप से बाहर हो चुका है। सुपर-8 के मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने उन्हें डकवर्थ लुईस नियम के तहत तीन विकेट से हरा दिया। वेस्टइंडीज ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 135 रन बनाए थे। इसके बाद जब दक्षिण अफ्रीका का स्कोर दो ओवर के बाद दो विकेट पर 15 रन था, तो बारिश ने खलल डाला।

जब मैच शुरू हुआ तो तीन ओवर्स घटाए गए। दक्षिण अफ्रीका को 17 ओवर में 123 रन का लक्ष्य मिला। यानी बाकी बचे 15 ओवर में उन्हें 108 रन बनाने थे। छोटी-छोटी साझेदारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने यह स्कोर हासिल कर लिया। अफ्रीका ने 16.1 ओवर में सात विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मार्को यानसेन ने 14 गेंद में 21 रन की नाबाद पारी खेली। इसके अलावा

ट्रिस्टन स्टब्स ने 29 रन और हेनरिक क्लासेन ने 22 रन की पारी खेली। वहीं टी20 विश्व कप 2024 में इंग्लैंड सुपर-8 से सेमीफाइनल में पहुंच गई है। कप्तान जोस बटलर ने टीम की इस कामयाबी का राज खोला है। उन्होंने बताया कि कैसे खिलाड़ी टीम की किस्मत बदलने में कामयाब रहे हैं। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर (38 गेंद, नाबाद 83 रन) ने तूफानी पारी की बदौलत

अफगानिस्तान ने 21 रन से आस्ट्रेलिया को हराया

अफगानिस्तान ने गुलबदिन नायब के चार विकेट की मदद से टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के मैच में आस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीम को 21 रन से हराकर बड़ा उलटफेर करते हुए अपने क्रिकेट इतिहास का एक और सुनहरा अध्याय लिख डाला। पैट कमिंस का लगातार दूसरी हैट्रिक लेने का कारनामा भी बेनूर हो गया। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 148 रन बनाये और जवाब में आस्ट्रेलिया की टीम 19 . 2 ओवर में 127 रन पर आउट हो गई।

रविवार को अपनी टीम को टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचाने के बाद कहा कि उन्होंने 116 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए तेजी इसलिए बरती ताकि वे सुपर-8 के ग्रुप दो में शीर्ष पर पहुंच सकें।

पेपर लीक मामले पर पूरे देश में थम नहीं रहा कोहराम

विद्यार्थी व उनके परिजन भी सड़क पर उतरे, सीबीआई की जांच में आई तेजी, नीट-यूजी स्थगित करने पर विपक्ष ने केंद्र को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नीट-पीजी परीक्षा में धांधली पर पूरे देश में कोहराम मचा है। विद्यार्थी से लेकर विपक्ष तक एनडी व व मोदी सरकार पर हमलावर हैं। पूरे देश अभ्यर्थियों के साथ-साथ उनके परिजन भी धरना प्रदर्शन कर रहे है। कांग्रेस, डीएमके , राजद से लेकर सपा तक सब सरकार व एनटीए की कार्य करने के तरीके पर सवाल उठा रहे हैं। इसबीच सीबीआई मामले की जांच शुरू कर दिया है।

उधर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने नीट पीजी परीक्षा को स्थगित कर दिया है। यह परीक्षा 23 जून यानी रविवार को आयोजित होनी थी। मंत्रालय का कहना है कि जल्द ही नई तारीखों का एलान किया जाएगा। इस बीच छात्रों ने सरकार के फैसले की अलोचना की।

शिक्षा व्यवस्था की अनियमितता के लिए मोदी जिम्मेदार : खरगे

कांग्रेस ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी में कथित अनियमितताओं के बाद एनटीए की नौकरशाही में फेरबदल को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इसकी जिम्मेदारी दूसरों पर डालने के बजाय सरकार के शीर्ष नेतृत्व को खुद लेनी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि एनटीए को एक

स्वायत्त निकाय बताया गया लेकिन असल में इसे भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुटिल हितों को पूरा करने के लिए बनाया गया। उन्होंने कहा कि नौकरशाही में फेरबदल करना भाजपा द्वारा बर्बाद की गई शिक्षा प्रणाली की समस्या का समाधान नहीं है। खरगे कहा कि छात्रों को न्याय दिलाने के लिए मोदी सरकार को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक, भ्रष्टाचार, अनियमितताएं और शिक्षा माफिया हमारी शिक्षा प्रणाली में घुस गया है।

भविष्य बचाने के लिए सरकार से लड़ाई लड़ने को मजबूर छात्र : राहुल

अब नीट-पीजी भी स्थगित। यह नरेन्द्र मोदी के राज में बर्बाद हो चुकी शिक्षा व्यवस्था का एक और दुर्भाग्यपूर्ण उदाहरण है। भाजपा राज में छात्र अपना करियर बनाने के लिए पढ़ाई नहीं बल्कि अपना भविष्य बचाने के लिए सरकार से लड़ाई लड़ने को मजबूर हैं।

केंद्र ने शिक्षा व्यवस्था को माफिया के हवाले किया : प्रियंका गांधी

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि मोदी सरकार ने पूरी शिक्षा प्रणाली को माफिया और भ्रष्टाचारियों के हवाले कर दिया है। प्रियंका ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि नीट-यूजी का पेपर लीक हुआ, वहीं नीट-पीजी, यूजीसी नेट और सीएसआइआर- नेट स्थगित कर दिए गए। उन्होंने कहा कि हालत यह हो गई है कि भाजपा सरकार साफ-सुथरे ढंग से एक परीक्षा तक नहीं करा सकती। देश के काबिल युवा अपना बेशकीमती समय, सारी ऊर्जा भाजपा के भ्रष्टाचार से लड़ने में गंवा रहे हैं और मजबूर मोदी सिर्फ तमाशा देख रहे हैं।

नीट में हुई गड़बड़ी की जांच महज खानापूर्ति : कमलनाथ

कमलनाथ ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि अब तक इतनी बात स्पष्ट हो चुकी है कि नीट परीक्षा का पेपर लीक हुआ था और सरकार ने जिस तरह से एनटीए के महानिदेशक को हटाया है। परीक्षा में हुई कुछ गड़बड़ियों की जांच सीबीआई को सौंपी है। उससे स्पष्ट है कि सरकार ने भी पेपर लीक होना स्वीकार कर लिया है। पूर्व सीएम कमलनाथ में आगे लिखा कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि पेपर लीक होने से सबसे ज़्यादा नुकसान उन अभ्यर्थियों का हुआ है जो इस परीक्षा में शामिल हुए थे।

50 लाख लोग प्रभावित, पीएम ने एक शब्द भी नहीं बोला : डीएमके

नीट-पीजी परीक्षा स्थगित करने पर डीएमके ने केंद्र सरकार की अलोचना की। पार्टी प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई ने कहा कि इससे लगभग 50 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। मगर प्रधानमंत्री ने एक भी शब्द नहीं बोला है। अन्नादुरई ने कहा, भाजपा सरकार अक्षम है। यह संगठित गिरोहों को पेपर लीक करने की अनुमति दे रही है। चार उच्च गुणवत्ता वाली परीक्षाओं को रद्द कर दिया गया है। भाजपा की घोर आपराधिक लापरवाही से लगभग 50 लाख छात्र प्रभावित हुए हैं। प्रधानमंत्री ने एक भी शब्द नहीं बोला है।

शशि थरूर के यूपी की परिभाषा वाले पोस्ट पर बिफरी भाजपा

नीट विवाद के बीच कांग्रेस नेता थरूर के यूपी की परिभाषा वाले प्रश्नोत्तर के पोस्ट से देश में सियासी वार-पलटवार तेज हो गई है। दरअसल शशि थरूर ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक वायरल पोस्ट शेयर किया गया। जिसमें एक सवाल पूछा गया कि उत्तर प्रदेश किसे कहते हैं? जवाब में लिखा गया था कि- वो प्रदेश जहां परीक्षा से पहले उत्तर पता चल जाए उसे उत्तर प्रदेश कहते हैं। शशि थरूर ने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा का हैशटैग भी लगाया है। वहीं कांग्रेस नेता के इस पोस्ट को भाजपा नेताओं ने राज्य का अपमान बताया है। कांग्रेस नेता के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री और यूपी के नेता जितिन प्रसाद ने लिखा मुझे अपने राज्य और उसके लोगों को इस तरह की निंदनीय टिप्पणियों के साथ स्टीरियोटाइप करके नीचा दिखाने में कोई मजाक नहीं दिखता। यूपी का ऐसा अपमान निंदनीय है और इसकी कड़े शब्दों में निंदा की जानी चाहिए। वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने भी कांग्रेस नेता शशि थरूर के पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी और लिखा कि भारतीयों को शर्मिंदा करने की बेशर्मी भरी राजनीति - यही कांग्रेस का तरीका है, जिसे इस स्व-घोषित वैश्विक नागरिक ने बखूबी प्रदर्शित किया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कांग्रेस नेता को उनकी शैली में जवाब दिया। उन्होंने पलटवार करते हुए लिखा कि, ये सज्जन अक्सर कई संस्कृतियों (पहले पूर्वोत्तर और अब यूपी) पर उल्लेखनीय रूप से तीखे शब्दों में व्यंग्य करते हैं।

केजरीवाल की जमानत पर सुनवाई टली

» अब 26 जून को सुप्रीम कोर्ट में होगी बहस

» निचली अदालत ने 20 जून को दी थी जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नई आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत देने के निचली अदालत के आदेश पर दिल्ली हाई कोर्ट की अंतरिम रोक के खिलाफ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। निचली अदालत ने 20 जून को अरविंद केजरीवाल को जमानत दे दी थी, लेकिन हाई कोर्ट ने शुक्रवार को इस पर अंतरिम रोक लगा दी थी।

ताजा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आज सोमवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आबकारी नीति मामले में निचली अदालत द्वारा उन्हें दी गई जमानत पर रोक लगाने वाले दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई 26 जून यानी दिन बुधवार के लिए स्थगित कर दी है। कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई के लिए 10 जुलाई की तारीख तय की है। अपने जमानत आदेश में ट्रायल कोर्ट ने माना था कि प्रथम दृष्ट्या केजरीवाल का अपराध अभी तक स्थापित नहीं हुआ है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी अपराध की आय से उन्हें जोड़ने वाले प्रत्यक्ष सुबूत प्रस्तुत करने में विफल रही है।

हाई कोर्ट ने ईडी को दी थी अंतरिम राहत

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को 21 मार्च को ईडी ने गिरफ्तार किया था। हाई कोर्ट ने शुक्रवार को ईडी को अंतरिम राहत नहीं दी होती तो केजरीवाल शुक्रवार को तिहाड़ जेल से बाहर आ सकते थे। हाई कोर्ट की एक अवकाशकालीन पीठ ने कहा था कि इस आदेश तक आक्षेपित आदेश का क्रियान्वयन स्थगित रहेगा

भाजपा ने आप नेताओं को बताया पाखंडी

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी के नेताओं को पाखंडी करार देते हुए कहा कि अभी कुछ दिन पहले ही आप नेता ईडी और केंद्र सरकार की इस बात पर निंदा कर रहे थे कि बिना आर्डर के ही ईडी ने हाई कोर्ट का रुख किया। जबकि आप नेता ने स्वयं उसी रास्ते पर चलकर हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। जबकि अभी तक हाई कोर्ट में चल रही सुनवाई ही पूरी नहीं हुई है।

पहली ही बारिश में राम मंदिर की छत से टपकने लगा पानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। राम मंदिर के उद्घाटन को अभी 6 महीने भी नहीं बीते हैं। इधर पहली ही बारिश में राम मंदिर की छत टपकने लगी है। राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने इसकी पुष्टि की है। इसी साल 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। अभी भी राम मंदिर के निर्माण का कार्य चल रहा है। ऐसे में पहली ही बारिश में राम मंदिर की छत से पानी टपकने लगा और बाहर परिसर में जलभराव हो गया।

बाहर परिसर में जलभराव

आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि अयोध्या राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में मंदिर के प्रकोष्ठ बनाए जा रहे हैं, जहां अन्य मूर्तियां स्थापित की जाएंगी। इन कार्यों

प्रदेश में भारी बारिश की चेतावनी

उत्तर प्रदेश में मानसून पूर्व बरसात जारी है। इस बीच मानसून एक्सप्रेस मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के अधिकतर भागों को भिगोते हुए प्रदेश की दक्षिणी सीमा (सोनभद्र) के काफी करीब पहुंच चुकी है। मौसम विभाग अगले 48 घंटे के भीतर किसी भी वक्त मानसून के प्रदेश में प्रवेश की घोषणा कर सकता है। मानसून एक्सप्रेस के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल हैं। 25 जून से पूर्वी उत्तर प्रदेश जबकि 26 जून से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में वर्षा के क्षेत्रफल व तीव्रता में वृद्धि के साथ कहीं-कहीं पर भारी बरसात हो सकती है। आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, अम्बेडकरनगर और आसपास।

ट्रक की टक्कर से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। प्रयागराज में सोमवार की सुबह दर्दनाक हादसा हुआ। ट्रक की चपेट में आने से एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। हादसा सरायममरेज थाना क्षेत्र के रस्तीपुर गांव में हुआ है। पुलिस ने ट्रक कब्जे में लेते हुए ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है।

» प्रयागराज में दर्दनाक हादसा

बताया गया है कि सरायममरेज थाना क्षेत्र के रस्तीपुर गांव में सोमवार की सुबह करीब 10 बजे ट्रक की टक्कर ने बाइक में टक्कर मार दी। इससे बाइक पर पति, पत्नी, दो छोटे बच्चे और एक अन्य महिला सड़क पर गिर गए और ट्रक ने सभी को कुचल दिला।

हादसा देख राहगीर हैरान रह गए। खबर पाकर सरायममरेज थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन की। इसके बाद ट्रक और चालक को पकड़ लिया। थानाध्यक्ष योगेश प्रताप ने बताया कि मृतक मीरगंज जौनपुर के निवासी थे। उनकी पहचान अभी नहीं हो पाई। शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** – संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।